मेरी सफलता की कहानी

मैं ईश्वर पाटीदार गॉव भटूनी तह.शामगढ़ का निवासी हुं। मैं किसान परिवार का सदस्य हुं, मैंने बीकॉम कम्प्यूटर की पढाई की है। खेती के साथ साथ मेरी विशेष रूची कम्प्यूटर में रही है,सहयोगवश कुछ समय पूर्व एनआईसीटी इन्दौर का एक विज्ञापन भारतीय स्टेट बैंक कियोस्क बैंकिंग हेतु निकला था। इस विज्ञापन के माध्यम से मैं एनआईसीटी इन्दौर से सम्पर्क किया इस दौरान उन्होने ने मुझे गरोठ केन्द्र के लिए कियोस्क बैंकिंग आइडी दी गई। मैंने उत्साह एवं लगन से एसबीआई कियोस्क केन्द्र गरोठ में स्थापित किया। चूकि मैं मूल रूप से गॉव का रहने वाला हूँ इस कारण मुझे गरोठ के आसपास की पंचायतों एवं ग्रामों की पूर्ण जानकारी थी इसका लाभ लेकर मैंने गॉव–गॉव घर घर जाकर प्रत्येक परिवार से मिला और मैंने एसबीआई वित्तीय समावेशन के बारे में बताया तथा जीरो बैंलेंस के नोफ्रिल खाते खोलना प्रारंभ किया, मैंने बड़ी मेहनत से प्रातः 8 बजे से रात्री 8 बजे तक विभिन्न शासकीय योजना जैसे नरेगा,वृद्धा पेंशन,जननी सुरक्षा,स्कूल छात्रवृत्ति,ओला वृष्टि आर्थिक सहायता,गैस सब्सिडी तथा सभी प्रकार की सरकारी सब्सिडी के खाते खोलना शुरू किया। खाते खोलने का कार्य फरवरी 2013 में शुरू किया। आज इस केन्द्र पर 5500 खाते खुले जा चुके है। इन खातों के अलावा एसबीआई द्वारा बताऐ गए खाते भी खोलता हुं। मुझे गतमाह जून 2013 में वित्तीय समावेशन में श्रेष्ठ कार्य करने के उपलक्ष्य में भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। मेरी इस सफलता का श्रेय एसबीआई लिंक शाखा के प्रबंधक श्री संतोषजी जैन सा. तथा एनआईसीटी इन्दौर के तकनीकी अधिकारी एवं एनआईसीटी मंदसौर के जिला प्रबंधक श्री पी.सी.सिसोदिया ने हर स्तर पर मुझे पूर्ण सहायता एवं मार्गदर्शन दिया।

मैं गरोठ शाखा के स्टाफ का भी आभारी जिन्होने ने समय–समय पर मुझे मार्गदर्शन दिया। मैं कियोस्क के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक एवं एनआईसीटी से जुडने पर अपने आप को बहुत ही गौरान्वित महसुस कर रहा हुं । इस कारण मुझे आर्थिक लाभ के साथ साथ मुझे यह कार्य करने से जो सम्मान मिला है। वो मेरे जीवन की बड़ी उपलब्धी रहेगी। इससे मेरे जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है। में तह दिल से एसबीआई एवं एनआईसीटी का आभारी रहूंगा।

आभारी

ईश्वर पाटीदार

एसबीआई कियोस्क संचालक

कियोस्क सेन्टर,गरोठ

प्रेस न्यूज

भारतीय स्टेट बैंक की अभिनव पहल कियोस्क बैंकिंग

गरोठ 22 जुलाई निप्र। वित्तीय समावेशन अतंर्गत भारतीय स्टेट बैंक शाखा गरोठ से लिंक एन.आई.सी.टी द्वारा संचालित कियोस्क केन्द्र गरोठ द्वारा जीरो बैलेंस के विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहीयों के 5500 खाते खोले जा चुके है। जिसका निरीक्षण मंगलवार को एन.आई.सी. टी के जिला प्रबंधक श्री पी.सी.सिसोदिया तथा भारतीय स्टेट बैंक शाखा गरोठ के प्रबंधक श्री संतोष जैन द्वारा किया गया। मात्र 6 माह में इस केन्द्र पर विभिन्न शासकीय योजनाऐं जैसे – नरेगा,वृद्धा पेंशन,जननी सुरक्षा,स्कूल छात्रवृत्ति,ओलावृष्टि आर्थिक सहायता,गैस सब्सिडी के खाते खुलने से सरकार से सीधा पैसा हितग्राहीयों के खातें में आ जायेगा जिससे शत प्रतिशत लाभ मिलेगा। जिसके अतिरिक्त इस केन्द्र के माध्यम से जीरो बैलेंस में खाते खोले जा रहे है। क्योस्क संचालक ईश्वर पाटीदार ने बताया कि केन्द्र पर 100 रूपयें में चार लाख का ऐक्सीडेंटल बीमा भी किया जा रहा है साथ ही आरडी एवं एफडी खाते भी खोले जा रहे है। इस केन्द्र से नगर व आसपास के क्षेत्र के नागरिकों सहित छोटे किसान एवं गरीब मजूदर लाभांवित हो रहे है। वित्तीय समावेशन में कियोस्क संचालक श्री ईश्वर पाटीदार को श्रेष्ठ कार्य करने के उपलक्ष्य में भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय मंदसौर के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रहलाद सबनानी द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

चित्र – कियोस्क सेन्टर का निरीक्षण करते NICT जिला प्रबंधक श्री पी.सी.सिसोदिया, SBI शाखा गरोठ प्रबंधक श्री संतोष जैन

स्वदेश
इंदौर, बुधवार
24 जुलाई 2013

भारतीय स्टेट बैंक की अभिनव पहल कियोस्क बैंकिंग

गरोठ (निप्र)। वित्तीय समावेशन अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक शाखा गरोठ से लिंक एनआईसीटी द्वारा संचालित कियोस्क केंद्र ग
जीरो बैलेंस के विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों के 5500 खातें खोले जा चुके हैं। जिसका निरीक्षण मंगलवार को एनआ
जिला प्रबंधक श्री पी.सी. सिसोदिया तथा भारतीय स्टेट बैंक शाखा गरोठ के प्रबंधक श्री संतोष जैन द्वारा किया गया। कियोस्क संचाल
पाटीदार ने बताया कि केंद्र पर 100 रु. में चार लाख का ऐक्सीडेंटल बीमा भी किया जा रहा है, साथ ही आरडी एवं एफडी खाते भी
रहे हैं। इस केंद्र से नगर व आसपास के क्षेत्र के नागरिकों सहित छोटे किसान एवं गरीब मजदूर लाभांवित हो रहे हैं।

रतलाम, बुधवार, 24 जुलाई, 2013 13

कियोस्क बैंकिंग केंद्र का किया निरीक्षण

कियोस्क बैंकिंग का निरीक्षण करते बैंक अधिकारी। फोटो भास्कर